प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष

डॉ. ज्योति बाबू जैन

प्राकृत साहित्य
के
व्यावहारिक पक्ष

लेखक
डॉ. ज्योति बाबू जैन
सहायक आचार्य
जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

प्रकाशक
भारतीय प्राकृत स्कॉलर्स सोसायटी
उदयपुर

प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष

शुभाशीष	:	अंतर्मुखी मुनि श्री पूज्यसागर जी
लेखक व संपादक	:	डॉ. ज्योतिबाबू जैन
प्रथम संस्करण	:	2019
मूल्य	:	100 /-
ISBN	:	978-81-930537-0-6
प्रकाशक	:	भारतीय प्राकृत स्कॉलर्स सोसायटी उदयपुर
वितरक	:	रैना पब्लिकेशन, उदयपुर- 9314731441
पुस्तक प्राप्ति स्थल	:	विशुद्ध ग्रन्थालय एवं वाचनालय 21, महावीर भवन,सर्वऋतुविलास, उदयपुर 0294-2483663
	:	पूज्य - विशुद्ध -प्रशान्त, वर्धित-ग्रन्थालय श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन (कांच) मंदिर रोड़ न. 10 अशोनगर उदयपुर (राज.)
	:	प्राकृत ज्ञान तीर्थ शिखर जी ट्रस्ट (रजि.) समवसरण श्री अजितनाथ पद्मप्रभू मंदिर परिसर मेन रोड़ मधुवन, शिखर जी गिरिडीह (झारखंड) 825329 मो. - 9414234793
स्मृति प्रकाशन	:	श्रीमति बसंतप्रभा गोधा उदयपुर
मुद्रक	:	जैन प्रिन्टर्स, प्रतापनगर, उदयपुर-941423919

Prakrit Sahitya ke Vyavaharika Paksha
by Dr.Jyotibabu Jain Udaipur 2019

प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष

अनुक्रम

1. शौरसैनी प्राकृत साहित्य में व्यवहारिक पक्ष 09
2. प्राकृत साहित्य में वर्णित पर्यावरण संरक्षण के सूत्र 20
3. प्राकृत साहित्य में अंकित अनुशासन (संयम) 25
4. प्राकृत साहित्य में संगीत के स्वर 31
5. अनेकान्त में सामाजिक समरसता 38
6. प्राकृत आगम साहित्य में जिनपूजा की व्यावहारिकता 43
7. प्राकृत एवं जैन साहित्य के सन्दर्भ में ध्यान 54
8. अध्यात्म विकास के आयाम गुणस्थान 65
9. प्राकृत सिद्धान्त ग्रंथों में पुण्य-पाप मीमांसा 79
10. प्राकृत जैन साहित्य में वर्णित जैनाचार की व्यावहारिकता 87